भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 11

सोमवार, 21 जुलाई, 2025 / 30 आषाढ़, 1947 (शक)

स्टील अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया की लौह अयस्क खानों में रोजगार

***11. श्रीमती जोबा माझीः**

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या झारखंड के चाईबासा में किरीबुरु, मेघाहातुबुरू, गुआ और चिरिया आदि स्थित स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया की लौह अयस्क खानों में ग्रेड-3 और ग्रेड-4 की नौकरियों में स्थानीय बेरोजगार युवाओं को प्राथमिकता नहीं दी जाती है जिसके परिणामस्वरूप बेरोजगारी के कारण इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पलायन और अत्यंत गरीबी की स्थिति उत्पन्न हुई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का इस क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षण देने और उन्हें ग्रेड-3 और ग्रेड-4 की नौकरियों में भर्ती में प्राथमिकता देने संबंधी मुद्दे का कोई संज्ञान लेने का विचार है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

श्रम और रोजगार मंत्री

(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

* *****

"स्टील अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया की लौह अयस्क खानों में रोजगार" के संबंध में श्रीमती जोबा माझी द्वारा दिनांक 21.07.2025 को पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 11 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) और (ख): स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड **(**सेल**)** के सभी नियमित संवर्गों में कर्मचारियों की भर्ती सेल की भर्ती नीति के अनुसार की जाती है। सेल की भर्ती नीति के अनुसार अखिल भारतीय आधार पर इस संबंध में खुला विज्ञापन जारी किया जाता है। झारखंड के चाईबासा सहित पूरे देश से कोई भी योग्य उम्मीदवार विज्ञापित पदों के लिए आवेदन कर सकता है।

(ग) और (घ): सेल ने अपनी सीएसआर गतिविधियों के एक भाग के रूप में विभिन्न कौशल विकास पहल शुरु की हैं जिनके तहत 70 से अधिक स्थानीय उम्मीदवारों को विभिन्न विषयों में प्रशिक्षुता प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है और 50 स्थानीय युवाओं को वार्षिक आधार पर आईटीआई पाठ्यक्रम के लिए सहायता प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त कंप्यूटर, बुनाई, सिलाई, जूट बैग बनाने, मशरूम की खेती, जीएनएम (जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी) और एएनएम (सहायक नर्स मिडवाइफ) पाठ्यक्रम जैसे कार्यक्रमों में सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण दिया जाता है। सेल द्वारा किरीबुरू में सारंडा सुवान छात्रावास भी चलाया जाता है, जहां वर्ष 2012 से हर वर्ष कक्षा IX से कक्षा XII तक के 20 से अधिक स्थानीय युवाओं को मुफ्त आवास, भोजन और शिक्षा प्रदान की जा रही है।

*****